REET 2025
LEVEL-1 & 2
ROJGAR
ANKIT
वंदन बैच
हिंदी
वाक्य
LIVE
31-01-2025 11:00 AM

वाक्य

रचना के आधार पर -3

- सरल/साधारण वाक्य
- मिश्रित वाक्य
- संयुक्त वाक्य

अर्थ के आधार पर-8

- विधि वाचक
- प्रश्नवाचक
- निषेध वाचक
- आज्ञा वाचक
- विस्मय वाचक
- सन्देह वाचक
- इच्छा वाचक
- संकेत वाचक

परिभाषा ⇒ सार्थक शब्दों का क्रमबद्ध समूह जिससे कोई भाव स्पष्ट होता है। उसे वाक्य कहते हैं।

वाक्य के दो अंग होते हैं।

(i) उद्देश्य (कर्ता)

(ii)- विधेय (क्रिया)

वह किताब पढ़ता है।

वह → उद्देश्य

किताब पढ़ता है → विधेय

रचना के आधार पर

(1) सरल वाक्य – वे वाक्य जिनमें एक उद्देश्य तथा एक विधेय होता है। उसे सरल या साधारण वाक्य कहते है।

उदा० मैं विद्यालय जाता हूँ।
बच्चे पार्क में घूम रहे है।
सूरज पूर्व से उगता है।
किसान खेत में हल चला रहा है।
माँ खाना बना रही है।

- मैनें लड़कों को बुलाया।
- परिश्रमी बालक सफल होते है।
- आशा अच्छा गाती है।
- मोहन को पुस्तक दो।
- मैं यहाँ आकर बीमार पड़ गया।
- वह सहस्त्र सैनिकों का सेनापति चुना गया।
- सूर्योदय होने पर कुहासा जाता रहा।
- वह दो दिन यहाँ रहकर सबका प्रिय हो गया।

मोहन और सुरेश बाजार गए।

तुम क्या करते हो?

(2) मिश्रित वाक्य – वे वाक्य जिनमें एक साधारण वाक्य हो तथा उसके अधीन या आश्रित दूसरा उपवाक्य हो उसे मिश्र वाक्य कहते हैं

योजक शब्द – ज्यों, जिसका, जिसकी, क्योंकि, चूंकि, इसलिए, यद्यपि, जो-सो, जहाँ-वहाँ, जिधर-उधर, जिस प्रकार, उस प्रकार, जैस-वैसे, जब-तब, अगर, जिसे, उतना, इतना, जितना, कि आदि।

मिश्रित वाक्य दो उपवाक्यों से मिलकर बनता है।

प्रधान उपवाक्य – जो उपवाक्य पूरे वाक्य से पृथक भी लिखा जाए तथा जिसका अर्थ किसी दूसरे पर आश्रित न हो, उसे प्रधान उपवाक्य कहते है।

जैसे – वह कौन सा मनुष्य है, जिसने महाप्रतापी राजा भोज का नाम न सुना हो।

आश्रित उपवाक्य – आश्रित उपवाक्य प्रधान उपवाक्य के बिना पूरा अर्थ नहीं दे सकता। यह स्वतंत्र भी नहीं लिखा जा सकता।

जैसे - इस मेले का उद्देश्य है कि व्यापार में वृद्धि हो।

जब राम जायेगा तब मोहन आयेगा।

- प्रधानाचार्य ने बताया कि कल विद्यालय में अवकाश रहेगा।
- मैं चाहता हूँ कि तुम्हारे साथ व्यापार करूं।
- जिसे आप ढूँढ़ रहे हो वह मैं नहीं हूँ।
- ज्यों ही मैं पढ़ने बैठा बिजली चली गई।
- आप चाहते है कि भारत तरक्की करे।
- मोहित ने उस युवक को पीटा जिसने जेब काटी थी।
- क्योंकि रजत बीमार था इसलिए वह विद्यालय नही गया।

- यद्यपि रोहन गरीब है फिर भी वह ईमानदार है।
- जैसे ही सूर्योदय हुआ वैसे ही कुहासा जाता रहा।
- जब राम जायेगा तब मोहन आयेगा।
- राजनीति अब एक व्यवसाय बनती जा रही है, जो गुण्डागिरी के बल पर चलती है।
- वह कौन सा मनुष्य है जिसने महाराणा प्रताप का नाम न सुना हो।
- जब वह दो दिन यहाँ रहा तब वह सबका प्रिय हो गया।

(3) संयुक्त वाक्य – जिन वाक्यों में दो या दो से अधिक सरल वाक्य समुच्चय बोधक अव्ययों द्वारा जुड़े हो। उसे संयुक्त वाक्य कहते है।

योजक शब्द – और, एंव, या, अथवा, तथा, इसलिए, फलतः, फिरभी, किन्तु, परन्तु, लेकिन, पर, अतः, तो, नहीं तो, व आदि।

- मजदूर मेहनत करता है किन्तु उसके लागत से वंचित रह जाता है।
- सम्पूर्ण प्रजा शान्ति पूर्वक एक दूसरे से व्यवहार करती है और जाति द्वेष क्रमशः घटता जाता है।
- सूर्योदय हुआ और कुहासा जाता रहा।
- मोहन गरीब है परन्तु वह ईमानदार है।
- मोहित बीमार था फलतः वह विद्यालय नहीं गया।

- बादल छाए और वर्षा होने लगी।
- रात बीत गई तथा सुबह हो गयी।
- रोहन मुंबई गया व सतीश पंजाब गया।
- तुम नहीं जा सकते तो मोहित को भेज दो।
- आप पहले आराम करेगें या आपके के लिए भोजन ले आंऊ।
- जल्दी चलो नहीं तो पकड़े जाओगे।
- वह अमीर है फिर भी सुखी नहीं है।
- वह दो दिन यहाँ रहा और वह सबका प्रिय हो गया।

अर्थ के आधार पर वाक्य - 8

1. विधि या विधान वाचक वाक्य – वे वाक्य जिनसे किसी प्रकार की बात या कार्य के होने का बोध होता है उसे विधि वाचक कहते हैं।

उदा॰ सूर्य गर्मी देता है।

समय पर स्कूल जाना चाहिए।

हाथ धोकर भोजन करना चाहिए।

भारत हमारा देश है।

2. निषेधवाचक वाक्य – जिस वाक्य से किसी कार्य के न होने या निषेधात्मक बोध हो उसे निषेधवाचक वाक्य कहते हैं

उदा॰ खेत में मत चलो।

मैं आज ऑफिस नही जाऊंगा।

बिजली के खम्भे को नही छूना चाहिए।

पेड़ पर चढ़ना मना है

3. आज्ञावाचक वाक्य – जिस वाक्य से आज्ञा, आदेश, अनुरोध आदि का बोध हो उसे आज्ञा वाचक वाक्य कहते है।

उदा॰ दरवाजा बंद करो।

तुरंत बाहर निकलो।

कृपया मुझे पानी दे दो।

कृपया अपनी राय बताए।

कृपया शान्त बैठिए।

4. विस्मयवाचक वाक्य – जिस वाक्य से आश्चर्य, हर्ष, शोक, दुःख आदि का बोध हो उसे विस्मयवाचक वाक्य कहते हैं।

- वाह ! हम जीत गए।
- ओह ! यह कितनी वीभत्स सड़क दुर्घटना है।
- अरे ! वह उत्तीर्ण हो गया।
- काश ! मैं जवान होता।
- अहा ! कितना सुन्दर मौसम है।
- हाय ! मैं गरीब मारा गया।
- छि ! कितना गंदा स्थान है।

5. सन्देहवाचक वाक्य – जिस वाक्य से किसी प्रकार के सन्देह या सम्भावना का बोध होता है। उसे सन्देहवाचक वाक्य कहते हैं।

लगता है कि आज बैठक रद्द हो जाएगी।

- शायद माताजी आयी होगीं।
- राम पढ़ रहा होगा।
- शायद वह लिखता होगा।
- वह अब जा चुका होगा।
- शायद आज राम रावण का वध करेगा।
- संभवतः वह सुधर गया।
- शायद वह अभी तक नहीं पहुंचा है।
- शायद आज बहुत तेज बारिश हो सकती है।

6. इच्छावाचक वाक्य – जिस वाक्य से इच्छा या कामना, आशीर्वाद का बोध होता है। उसे इच्छा वाचक वाक्य कहते हैं

- ईश्वर आपकी यात्रा सफल करे।
- तुम्हें कामयाबी मिले।
- आप जीवन में उन्नति करे।
- भगवान तुम्हारी मनोकामना पूरी करें।
- आपकी यात्रा मंगलमय हो।
- दीर्घायु हो।
- तुम अपने कार्य में सफल रहो।

7. संकेतवाचक वाक्य – जिस वाक्य से संकेत या इशारे का बोध होता है उसे संकेतवाचक वाक्य कहते हैं।

- यदि वह जीतेगा तो इनाम मिलेगा।
- यदि मैं आपको पहले जानता तो आप पर विश्वास नहीं करता।
- अगर तुम परिश्रम करते तो आज सफल हो जाते।
- अगर बारिश अच्छी होती तो फसल भी अच्छी होती।
- अगर आज तुम जल्दी उठ जाते तो स्कूल के लिए लेट नहीं होते।
- यदि तुम थोड़ा और तेज चलते तो बस नहीं छूटती।
- अगर तुम समय बर्बाद नहीं करते तो तुम्हारा ये हाल नहीं होता।

8. प्रश्नवाचक वाक्य – जिस वाक्य में प्रश्न पूछे जाने का बोध हो उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं।

- क्या वह पढ़ता है?
- वह क्या खेलता है?
- तुम किस कक्षा में पढ़ते हो?
- आप क्या करते हो?
- तुम अपने घर कब जाओगे?
- उसका नाम क्या है?
- क्या आप कल मेरे यहाँ आए थे?